

18/07/22

पहुलाय फौजों उपस्थित।

आधी एवं आधी के अक्षिपत्ता उपर।

वकील कादी के उपरना - पर पर
कर विवेक कि आधी एवं विजाकिण
के मकम आपसी सहमति से शरीनामा
से जुका है। लिखा होने पर
के मकम शरीनामा होने से आधी
अन उकरोण में कोई कार्यावाही नहीं
चाहते है। तथा इस उकरोण को
विद्रो करवाग चाहते है।

वकील आधी को हुना अघा
पडावली का उकरोण लिखा गया।
जब तकें एवं पडावली के उकरोण
से स्पष्ट है कि आधी एवं विजाकिण
के मकम आपसी सहमति से शरीनामा
होने से उकरोण में किसी उकरोण की
कार्यावाही की आवश्यकता नहीं होने से
उकरोण वारिज। विद्रो प्रोग्र है।

अतः वकील आधी व आधी द्वारा
उपरोक्त शरीनामा के आधर पर उकरोण
अधिके विद्रो वारिज लिखा जाता है।
पडावली फैसल हुनार मेकर लिखल
हिमत है। आदेश हुने न्यायालय में
हुनाया गया।